भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं.-357

उत्तर देने की तारीख-18/08/2025

राणाघाट में केन्द्रीय विद्यालय

†*357. **श्री जगन्नाथ सरकार:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि पश्चिम बंगाल में राणाघाट स्थित केन्द्रीय विद्यालय छात्रों के अधिक नामांकन और अपर्याप्त अवसंरचना के कारण अत्यधिक दबाव का सामना कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार केन्द्रीय विद्यालय राणाघाट में अवसंरचना में वृद्धि करने और अनुभागों/सीटों की संख्या में वृद्धि करने का है, यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्री

(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

माननीय संसद सदस्य श्री जगन्नाथ सरकार द्वारा 'राणाघाट में केन्द्रीय विद्यालय' के संबंध में दिनांक 18.08.2025 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 357 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ग): केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय (केवि), राणाघाट एक सिविल सेक्टर केवि है जिसकी स्थापना वर्ष 2007 में की गई थी और बाद में मई, 2015 में इसे वर्तमान स्थान अर्थात कुमारशाटपुर, राणाघाट, नादिया में अच्छी अवसंरचना वाले अपने स्थायी स्कूल भवन में स्थानांतरित कर दिया गया।

केवि, राणाघाट में कक्षा 1 से 12 तक की कक्षाएं संचालित हो रही हैं, जिनमें कुल 667 विद्यार्थी नामांकित हैं। वर्तमान में, केवि, राणाघाट के भवन में 14 कक्षाएं हैं, जिनमें कक्षा-1 से 12 तक के 14 कार्यशील वर्ग हैं तथा विद्यालय की वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त अवसंरचना उपलब्ध है। केविसं के मौजूदा मानदंडों के अनुसार, सभी केवि को प्रति कक्षा दो वर्गों का अनुमोदन प्राप्त है। सामान्यतः केवि में अनुभागों की संख्या आवश्यकतानुसार तथा चरणबद्ध तरीके से बढ़ाई जाती है।

केवि के लिए अवसंरचना का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है, जो आवश्यकता, उपयुक्त भूमि की पहचान, प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा केविसं के पक्ष में अंतरण / पट्टा औपचारिकताओं को पूरा करना, निर्माण एजेंसी द्वारा नक्शे / अनुमान प्रस्तुत करना, निधियों की उपलब्धता और अपेक्षित अनुमोदन, प्रायोजक एजेंसी द्वारा भूमि से संबंधित कमियों को दूर करना आदि पर निर्भर करता है।

*****